नाम – अभिषेक शुक्ला

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका

युवा की मानसिकता एवं स्वभाव–

आजकल युवा जो है कि उनका मानसिक संतुलन नहीं रहता और उन्हीं कारण बस वह समाज में उच्च विचार की भावना को प्रसिद्ध नहीं करते हैं परंतु हमारे आज के इस दैनिक जीवन में बहुत ही कार्य विधियां या कुछ समाज में जो कुछ भी होता है उसे हमारे बीच में युवा के माध्यम से ही प्रचलित होना संभव हो पाया है हमारे आजकल के युवा हैं उनकी मानसिकता को अगर देखा जाए तो सभी का अपने हिसाब से भी नहीं है मगर हमारे देश के युवा का हमारे समाज में बहुत ही आ सकता है कोई भी अगर कार्य विधियां कार्य को हमारे समक्ष रखा जाता है जो उसका हमारे युवा की प्रमुख योगदान है।

युवा की शिक्षा एवं योगदान–

हमारे देश हमारे शहर और हमारे समाज में युवाओं का बहुत ही योगदान रहता है परंतु सभी युवाओं का नहीं क्योंकि सतत विकास किसके नाम से ही साबित हो रहा है कि लगातार क्रियाएं जो कि वह सब वही युवा संभोग कर पाएंगे जो शिक्षित है ना कि जो कुछ समझने की भावना ना रखने वाले क्योंकि जो व्यक्ति निवास शिक्षित रहेगा तभी उसका राय योगदान हमारे समाज के प्रति कारगर रहेगा कहने का तात्पर्य यह है कि बिना शिक्षा के कुछ संभव नहीं रहेगा क्योंकि अगर इच्छा है तो ही समाज सुधार की भावना प्रचलित है अन्यथा संभव नहीं है क्योंकि बिना शिक्षा के हम किसी भी क्षेत्र में जाएं बाहर कर दिए जाएंगे हमारे समाज में अभी भी कुछ युवा ऐसे हैं जो कि अभी भी उनका शिक्षित एवं विकास जी श्री लता की सोच रखते हैं अगर कुछ भी हमारे दैनिक जीवन में उतार–चढ़ाव आते हैं इसकी वजह भी और हमारा समाज पर पड़ेगा आज की इस बेला में जो हो रहा है और का पूर्ण रूप से देखा जाए तो हमारी युवा की देन है और आगे चलके नहीं हमारे समाज हमारे शहर हमारे देश के लिए लाभकारी रहेगा

कार्य विधियां एवं कार्य क्षेत्र–

हमारे समाज के हमारे देश के युवा अपना रूप अलग–अलग कामों में रखते हैं जिससे उन्हें अपने कार्य में जिस क्षेत्र में वह हो उन्हें लाभ मिलता जाता है हां यह बात जरूर है कि समाज के युवाओं की सोच भिन्न–भिन्न है अतः उन्हें जिस भी कार्य विधि को संपन्न करने में प्रतिकूल लिखे होते हैं करते हैं समाज में हमारी युवाओं की देन भिन्न–भिन्न है जैसे वह अपना कार्य के प्रति स्वतंत्र रहना चाहते हैं जिसे उन्हें अपने कार्य करने में स्वाभाविक था मिलती है कुछ युवाओं को किसी और क्षेत्र तथा कुछ को कोई और क्षेत्र जैसे कोई बिजनेस के क्षेत्र में कदम बढ़ाना चाहता है तो कोई नौकरियां करके अपना पालन पोषण करना चाहता है सभी का अपना

रास्ता अलग अलग रहता है जिससे कि हमारे आने वाली पीढ़ी की भी फायदा एवं मर्यादा बनी रहेगी अगर हमारा समाज सुव्यवस्थित एवं सुंदर रूप से है तो वह हमारी युवा की देन है जिससे आने वाली पीढ़ियां भी प्रेरित होंगी।

युवाओं का योगदान–

हमारे समाज में विभिन्न प्रकार की सोच रखने वाले युवा होते हैं जैसे कि जिस का जिस क्षेत्र में मन लगता हो वह उसी क्षेत्र में सफलता पूर्वक कार्यरत रहे जिससे हमारे समाज की हमारे देश की आर्थिक स्थिति को भी बरकरार रखेंगे और रखने में मदद भी करेंगे हमारे देश की आर्थिक स्थिति को देखा जाए तो उसमें जो कार्यरत युवा है उसका योगदान रहता है लेकिन हां आज तो शिक्षा को ग्रहण नहीं कर पाए हैं वह भी खेती किसानी करके हमारे देश में अनाज की पूर्ति करते रहते हैं जिससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था बरकरार रहती है और वह हमारे देश की हमारे समाज की आर्थिक स्थिति को बरकरार रखते हैं हमारे भारत देश हमारे समाज में सतत विकास तभी संभव है जब हमारे देश की एवा अपनी जिम्मेदारी को बारीकी से समझें और उस से कार्यरत रहे हमारे देश में सतत विकास पूर्ण रूप से बनी रहे।

युवाओं की आर्थिक स्थिति में योगदान–

हमारे देश के युवा जो हैं अपनी स्वतंत्रता में कार्य करना पसंद करते हैं और इसी मुताबिक वह अपने अपने कार्य क्षेत्र में सुव्यवस्थित रूप से लगे रहते हैं जो लोग शिक्षित है वह शिक्षा के और जो लोग अपनी शिक्षा में कौन सफलता न पाने से व्यवसाय में लग जाते हैं अतः सभी का अपना अपना योगदान है जो लोग शिक्षक नहीं हैं बस उनका कार्य विधि अलग होगा जैसे वह शिक्षित ना होने के कारण वह अनाज होगा कि हमारे देश की आर्थिक स्थिति में योगदान रखेगा और इसी प्रकार हमारे भारत देश की सतत विकास संभव हो पाना पूर्ण रूप से संभव होगा किसानों के प्रति एक स्लोगन भी दिया गया था।

जय जवान जय किसान

इसका तात्पर्य यह है कि हमारे देश के जवान बॉर्डर पर रहकर हमारे देश की रक्षा करते हैं और इसी प्रकार हमारे युवा किसान जो हमें हमारे देश की आर्थिक स्थिति में योगदान अनाज की पूर्ति करा कर देते हैं और जब जो युवा करने लायक हो करके हमारे समाज को सतत विकास की ओर ले जा सकता है